Val II, Issue:VIII, Sept 2012

ISSN : 2230-7850

Indian Streams Research Journal

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N. Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
Volume 2, Issue. 8, Sept 2012
ISSN:-2230-7850

Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

ग्रामीण मोबाइल उपभोक्ताओं के सामाजिक सम्बन्धों पर मोबाइल टेलीफोन के प्रभाव का अध्ययन।

मेहर सिंह

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

सारांश

भारत में मोबाइल फोन की शुरूआत अगस्त 1995 से हुई। शुरूआती दिनों में मोबाइल फोन शहर के अमीर व पढ़े–लिखें लोगों की पहचान समझा जाता था। लेकिन वर्तमान में यह ग्रामीण क्षेत्र के अमीर–गरीब, पढ़े–लिखे व अनपढ़ व्यक्ति सबकी पहुँच में है। देश की अधिकतर जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। मोबाइल टैक्नोलाजी की व्यापक पहुँच के कारण गावों में भी मोबाइल की स्थिति सुदृढ़ हुई है। ग्रामीण क्षेत्र में मोबाइल फोन को जीवन के लिए उपयोगी एवं सामाजिक सम्बन्धों को बनाए रखने के लिए संचार के एक सशक्त माध्यम के रूप में मानते है। इस शोध पेपर में ग्रामीण मोबाइल उपभोक्ताओं के सामाजिक सम्बन्धों पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन किया गया है।

भूमिका

वर्तमान समय में भारत के मोबाइल क्षेत्र ने विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। विकसित देशों की तुलना में भारत में दूरसचांर सेवाएँ देरी से शुरू हुई। शुरूआती दिनों में विकास की गति विकसित देशों की तुलना में बहुत धीमी थी। उस समय मोबाइल फोन अमीर व पढे–लिखें लोगों की पहचान समझा जाता था। क्योंकि मोबाइल सैटों की अधिक कीमत के साथ–साथ इनकमिंग व आऊटगोइंग कॉल बहुत मंहगी थी। लेकिन जैसे ही मोबाइल कॉल दरे सस्ती हुई तो मोबाइल फोन एक ऐशो–आराम की वस्तु न रहकर, जीवन के लिए उपयोगी साधन बन गया है। आज मोबाइल फोन हर व्यक्ति की जरूरत हैं। हम मोबाइल पर निर्भर हो चुके है। सामाजिक सम्बन्धों को मोबाइल फोन ने प्रभावित किया है। भारत विश्व में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल सब्सक्राइबर देश बन चुका है। भारत में मोबाइल सेवा की शुरूआत अगस्त 1995 में हुई। शुरूआती दिनों में मोबाइल फोन को अमीर व पढ़े–लिखे लोग स्टेट्स सिंबल के रूप में उपयोग कर रहे थे। दिसम्बर 2002 तक भारत में केवल 10.5 मिलियन मोबाइल सब्सक्राइबर थे, लेकिन सन् 2002 के बाद मोबाइल कॉल दरों में कमी और मोबाइल सैट की कीमतों में कमी के बाद मोबाइल सब्सक्राइबर की संख्या में तजी से वृद्धि हुई। अब मोबाइल फोन केवल स्टेटस सिंबल न रहकर व्यक्ति की जरूरत बन चुका है। हमारा समाज मोबाइल फोन पर निर्भर हो चुका है। ऐसे में व्यक्ति के सामाजिक सम्बन्ध मोबाइल फोन के द्वारा प्रभावित हो रहे हैं।

ग्रामीण मोबाइल उपभोक्ताः–

भारत की अधिकतर जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। मोबाइल फोन वर्तमान में संचार का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में मोबाइल ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की भी पूरी तरह से प्रभावित किया है। संयुक्त राष्ट्र के अध्ययन के अनुसार पूरे विश्व में 800 मिलियन अनपढ़ व्यक्ति है, जिनमें से 270 मीलियन अनपढ़ केवल भारत में है, ऐसी स्थिति के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल की स्थिति बहुत सुदृढ़ है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल फोन संचार का सशक्त माध्यम और जीवन के लिए उपयोगी साधन बन चुका है।

साहित्य समीक्षाः–

मदन मोहन राय और मीरा देसाई ने सन् 2004 में मुंबई में मोबाइल उपभोक्ताओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति एवम् व्यवहार का पता लगाने के उद्येश्य से सर्वे करवाया। अध्ययन के अनुसार अधिकतर मोबाइल उपभोक्ता मोबाइल का उपयोग समाज से जुड़े रहने, सुरक्षा और

Please cite this Article as : *मेहर सिंह , ग्रामीण मोबाइल उपभोक्ताओं के सामाजिक सम्बन्धों पर मोबाइल ?टेलीफोन के प्रभाव का अध्ययन।* **: Indian Streams Research Journal (Sept. ; 2012)**

रोजगार की आवश्यकता की पूरा करने के लिए करते है।

टैथरड सैल्फ और शैरी टरके की स्टडी "आलवेज ऑन–ऑलवेज ऑन यू" के अनुसार मोबाइल के जरिये माता–पिता हर वक्त अपने बच्चों के साथ जुडे रह सकते है और युवा वर्ग मोबाइल का उपयोग दिनचर्या की चिंता को दूर करने, परिवार व समाज से जुड़े रहने एवं दोस्तों से विचार सांझा करने के लिए कर रहे है।

जोन्थन डोनर, निम्मी रंगास्वामी, मोली नूर, स्टीन्सन और करोलिन ने की स्टडी "एक्सप्रैस यूअरसेल्फ एण्ड स्टे टूगैदर : द मिडल क्लॉस इंडियन फैमिली" के अनुसार मोबाइल फोन के उपयोग से भारत के मध्यवर्गीय परिवारों के लाईफ–स्टाइल, रहन–सहन और खाने–पीने के तौर–तरीकों में परिवर्तन आया है। मोबाइल फोन युवाओं के रोमान्टिक रिश्तों को कायम रखने में भी सहायक है।

"कैट फॉक्स" की स्टडी "द रोल ऑफ मोबाइल कम्यूनिकेशन इन द 21स्थ संचुरी" के अनुसार व्यक्ति मोबाइल का अधिकतर उपयोग गपशप के लिए करते है। गपशप व्यक्ति सामाजिक, मनौवैज्ञानिक एवं शारीरिक तन्दरूस्ती के लिए आवश्यक है। अध्ययन के अनुसार पुरूषों का भी कहना है कि वे प्रतिदिन समय व्यतीत करने के लिए गपशप करते है।

शोध उद्येश्यः–

1.ग्रामीण क्षेत्र के लोगों पर मोबाइल का प्रभाव जानना।
2.ग्रामीण क्षेत्र के मोबाइल उपभोक्ताओं का सामाजिक अध्ययन करना।
3.ग्रामीण लोग सामाजिक सम्बन्धों में मोबाइल का उपयोग किस प्रकार कर रहे है।
4.मोबाइल उपभोक्ता को मोबाइल से कितनी संतुष्टि प्राप्त होती है।

शोध विधिः–

शोध कार्य के लिए हरियाणा प्रांत के कुरुक्षेत्र जिले का चुनाव किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लिए झांसा एवं संतोखपुरा गांव को चुना गया हैं। तथ्य एकत्रित करने के लिए प्रश्नावली का निर्माण करके सर्वे किया गया है। सर्वे में 100 उत्तरदाता संतोखपुरा गांव से व 100 झांसा गांव से चुने गये है। सभी उत्तरदाता 18 वर्ष व उससे अधिक आयु वर्ग के थे। साख्यिकी पद्धति के आधार पर आंकड़ो का विश्लेषण किया गया है।

अनुसंधान कार्यः–

ग्रामीण मोबाइल उपभोक्ताओं के सामाजिक सम्बन्धों का अध्ययन करने के लिए दोनों गांवों से 200 मोबाइल उपभोक्ताओं से प्रश्नावली भरवाई गई, जिससे से 44 महिलाएं एवं 156 पुरूष थे। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण अध्ययन में 9 स्नातकोत्तर, 6 स्नातक, 50 10+2 पास, 105 प्राथमिक शिक्षा से 10+2 तक, 8 प्रौढ़ शिक्षा प्राप्त और 22 उत्तरदाता अनपढ़ थे। निष्कर्ष से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग 73 प्रतिशत उत्तरदाता मोबाइल का उपयोग सामाजिक सम्बन्धों के लिए करते है और 82 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार मोबाइल फोन जीवन के लिए उपयोगी साधन बन चुका है। अध्ययन के अनुसार 95 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता इस वक्तव्य से सहमत थे कि मोबाइल फोन से सामाजिक सम्बन्धों का दायरा बढ़ा है। मोबाइल फोन ने युवा वर्ग को अधिक प्रभावित किया है। 82 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार मोबाइल युवाओं के रोमान्टिक रिश्तों को बनाने में सहायक है। 80 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत थे कि मोबाइल उपयोग से समाज में अनैतिक सम्बन्धों में वृद्धि हुई है। 38 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार वे मोबाइल का उपयोग अपनी सुरक्षा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने के लिए कर रहे है। अध्ययन के अनुसार युवा वर्ग को मोबाइल फोन ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन युवा वर्ग इसका उपयोग मनचाहे रूप से कर रहे है, जिससे समाज में अनैतिक सम्बन्धों में वृद्धि हुई है। लगभग 82 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार युवाओं के नैतिक पतन के लिए मोबाइल फोन जिम्मेवार है। 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार मोबाइल उपयोग से संतुष्ट है, और 32 प्रतिशत के अनुसार पूर्णतः सतुंष्ट है।

निष्कर्षः–

इस शोध पेपर में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तरदाता मोबाइल फोन का उपयोग सामाजिक सम्बन्धों को बनाए रखने एवं जीवन के लिए उपयोगी साधन के रूप में कर रहे है। मोबाइल फोन सूचना और मनोरंजन का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। मोबाइल फोन ने युवा वर्ग को अधिक प्रभावित किया है। युवा वर्ग मोबाइल का उपयोग रोमांटिक रिश्तों को बनाए रखने के लिए कर रहे है। वे मोबाइल का उपयोग मनचाहे ढ़ंग से कर रहे है जिससे समाज में अनैतिक सम्बन्धों में वृद्धि हुई है एवं युवाओं का नैतिक पतन हो रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1.जेम्स ई केट्ज, हैडंबुक ऑफ मोबाइल कम्युनिकेशन स्टडीज, द मिट प्रैस लंदन, 2008
2.मोहन सुदंर राजन, दूरसंचार कथा, नेशनल बुक ट्रस्ट।
3.अरविंद सिंघल एण्ड इवर्ट एम रोजर, इंडियाज टेलीकम्युनिकेशन रिवोल्युशन, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली 2010
4.जे.पी. सिंह, समाजशास्त्र अवधारणएँ एवं सिद्धांत, प्रैक्टिस हॉल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली 1999

Publish Research Article

International Level Multidisciplinary Research Journal

For All Subjects

Dear Sir/Madam,

We invite original unpublished research paper. Summary of Research Projetc, Theses, Books and Books Review of publication, You will be pleased to know that our journals are..

Associated and Indexed, India

- *OPEN J-GATE*
- *International Scientific Journal Consortium Scientific*

Associated and Indexed, USA

- Google Scholar
- DOAJ
- EBSCO
- Index Copernicus
- Academic Journal Database
- Publication Index
- Scientific Resources Database
- Recent Science Index
- Scholar Journals Index
- Directory of Academic Resources
- Elite Scientific Journal Archive
- Current Index to Scholarly Journals
- Digital Journals Database
- Academic Paper Database
- Contemporary Research Index

Indian Streams Research Journal
258/34, Raviwar Peth Solapur-413005, Maharashtra
Contact:- 9595359435
E-Mail- ayisrj@yahoo.in / ayisrj2011@gmail.com
Website:- www.isrj.net